

03-12-2020

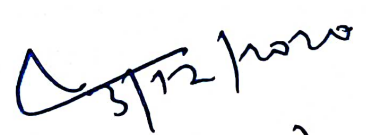
क
वकील वारीगन की ओर से प्रस्तुत प्राणपत्र जिसमें
रुबी पेश होने पर पत्रायली इकतारी पेशी दिनांक
15-1-21 से तलब की जाकर आज पेश हुई
वकील वारी ने प्राणपत्र बाधक दावा पिदा निप
जाने पेश कर निवेदन किया कि उक्त प्रकरण
में विवादित पक्षकारान के मध्य राप्तीनाग हो
चुका है। वादी प्रकरण में आगे कार्यवाही नहीं
चाहते हैं एवं ना ही प्रकरण को आगे चलाना चाहते हैं।

अतः कच्छ प्राण पत्र स्वीकार कर वादपत्र को विद्वा
किये जाने की अनुमति प्रदान करें।

चूंकि वकील वादीगण के कथनानुसार
विवदित पक्षकारान के मध्य मौके पर शपथनामा
हो चुका है तथा वादीगण न्यायालय दाना से प्रकरण
में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं। अतः

वादीगण का प्राण पत्र स्वीकार किया जाकर दृष्टगत
वादपत्र को विद्वा किये जाने की अनुमति प्राण
की जाती है। प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही
अपेक्षित नहीं है। अतः कार्यवाही प्रकरण इमी स्तर
पर वन्दो की जाती है। पत्रावली फ़ैल शुणाए
होकर नम्बर से कम हो तथा बाह तकनील
दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया

गया।


(रमेश कुमार)
RAS

सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक) खण्ड 1।